जंगलों से इकट्ठी की जा रहीं चीड़ की पत्तियां

वन संपदा एवं जंगली जानवरों को आग से बचाने के लिए ए.सी.सी. कंपनी ने चलाई थी मुहिम

बिलासपुर, 16 मई (अंजलि): लाखों की वन संपदा एवं जंगली जानवरों को आग से बचाने के लिए ए.सी.सी. कंपनी द्वारा कुछ वर्षों से चलाई गई मुहिम को लेकर ए.सी.सी. मुख्य प्रबंधक सी.एस.आर. हितेंद्र कपूर ने बताया कि इन दिनों कंपनी जिला बिलासपुर के भराड़ी वन विभाग के अंतर्गत पड़ने वाले जंगल निहारी, कमलोटी, डंगार, जांगला, बडौली व गेहड़वीं से लगभग 55 टन चीड़ की पत्तियां इकट्ठी कर ए.सी.सी. किलन में जला चुकी है।

उन्होंने बताया कि गर्मियों के मौसम में अक्सर इन चीड़ की पत्तियों में आग लगने से जहां जंगल नष्ट हो जाते हैं, वहीं बेजुबान जंगली जानवर एवं पक्षी भी आग का शिकार बन जाते हैं जिस कारण लाखों रुपए की वन संपदा तो नष्ट होती ही है, वहीं बहुमूल्य जीव-जंतु भी खत्म हो रहे हैं और शेष जंगली जानवर निकट गांव या शहरों की ओर प्रस्थान कर जाते हैं। वहीं कंपनी द्वारा चलाए जा रहे इस कार्य में वन विभागीय अधिकारियों एवं सरकार का भी सहयोग रहता है। इस संदर्भ में डी.एफ.ओ. सरोज पटेल का कहना है कि कंपनी द्वारा किए जा रहे इस कार्य से अपरोक्ष रूप से चीड़ की पत्तियां इकट्ठी करने वालों को भी रोजगार मिला है। उन्होंने कहा कि यदि लोगों के अपनी जगह या निजी जंगलों में भी चीड़ की पत्तियां हैं तो वे अपने निकट के वन विभागीय अधिकारी से संपर्क कर सूचना दें ताकि फालतू में पड़ी पत्तियों को ए.सी.सी. कंपनी के सुपुर्द किया जा सके।

बिलासपुर : भराड़ी वन विभाग के अंतर्गत पड़ने वाले जंगलों से इकट्ठी की गई चीड़ की पत्तियों को क्रश करते कर्मचारी। (अंजलि)